



सी.एस.आई.आर.-सीबीआरआई

भवनिका



खण्ड-24, अंक-2, अप्रैल-जून, 2013

सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की-247 667 (उत्तराखण्ड)



प्रस्तुत अक्ट में...

अनुसंधान प्रगति

1

वर्ष 2012 –2013 के दौरान
प्रकाशित अनुसंधान लेख

2

सम्मेलन / संगोष्ठी /
कार्यशालाओं में प्रस्तुत लेख

4

सीएसआईआर–सीबीआरआई में
44वें एसएसबीएमटी (इन्डोर)
फाइनल्स का आयोजन

6

➤ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
➤ विश्व पर्यावरण दिवस

7

कार्मिक समाचार

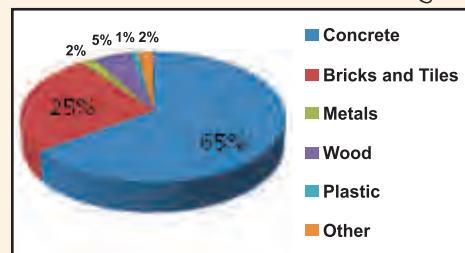
8



अनुसंधान प्रगति

टिकाऊ निर्माण उत्पादों हेतु विध्वंस अपशिष्टों (Demolition wastes) का कच्चे माल के रूप में उपयोग

भारत में आवास क्षेत्र में, भवन समग्री की आवश्यकता के लिए लगाए गये आकलन, 55000 मिलियन क्यूबिक मीटर तक एप्रीगेट का अभाव दर्शाते हैं (TIFAC ED 2003)। अध्ययनों से पता चलता है कि विध्वंस अपशिष्ट के कंक्रीट वाले भाग में प्राकृतिक एग्रीगेट की मात्रा लगभग 65–70% एवं सीमेंट की मात्रा लगभग 30–35% रहती है। विध्वंस अपशिष्ट से निकले एग्रीगेट की रीसाइक्लिंग, मांग एवं आपूर्ति के बीच के अंतर को पाट सकती है। आकृति 1 में भारत में सी एण्ड डी अपशिष्ट के सामान्य संयोजन को दिखाया गया है। विध्वंस अपशिष्ट की समुचित



आकृति 1: भारत में निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट का संयोजन

तिलिका 1 : प्राकृतिक एवं रीसाइक्ल्ड कोर्स एग्रीगेट के संयुक्त गुणधर्म

प्राचल(पैरामीटर्स)	प्राकृतिक	रीसाइक्ल्ड (%)							
		धुलाई से पूर्व				धुलाई के पश्चात			
		25	50	75	100	25	50	75	100
फ्लैकीनैस इंडैक्स(%)	13.7	5.1	4.6	4.30	4.23	6.6	6.0	5.8	4.5
क्रिंशिंग वैल्यू (%)	17.7	22.0	23.5	27.3	30.56	19.0	20.0	22.6	28.0
इम्पैक्ट वैल्यू (%)	17.0	16.2	24.2	25.8	32.24	16.0	17.6	21.0	23.0
वाटर एब्जोर्पशन(%)	0.6	1.6	2.8	3.6	5.20	1.0	1.6	2.1	4.0
स्पैसिफिक ग्रेविटी(%)	2.63	2.53	2.47	2.42	2.11	2.5	2.45	2.43	2.27
लूज बी डी(kg/1)	1.45	1.37	1.35	1.32	1.24	1.37	1.35	1.3	1.26
कॉम्पैक्ट बी डी (kg/1)	1.53	1.5	1.47	1.43	1.32	1.50	1.48	1.43	1.39

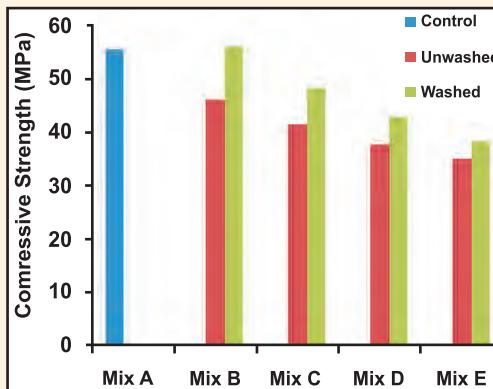
सीएसआईआर-सीबीआरआई भवनिका



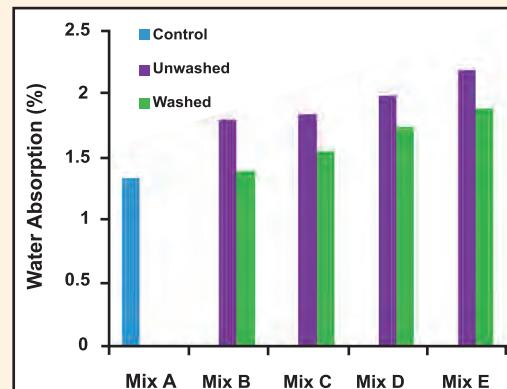
सांख्यिकीय-सामान्यात्मक-
कंक्रीट पेवर ब्लॉक



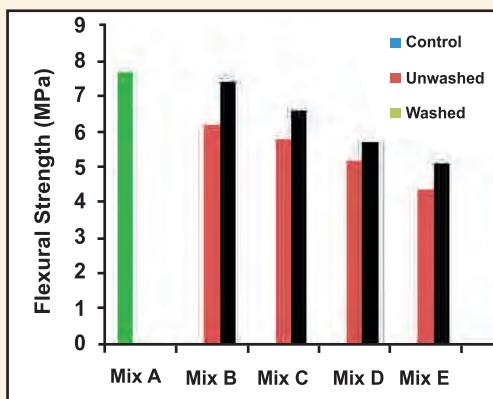
पेज नं 111



आकृति 2: विभिन्न संयोजनों से तैयार कंक्रीट पेवर ब्लॉक की संपीड़न सामर्थ्य।



आकृति 4: विभिन्न संयोजनों से तैयार कंक्रीट पेवर ब्लॉक का जल अवशोषण।



आकृति 3: विभिन्न संयोजनों से तैयार कंक्रीट पेवर ब्लॉक की नितयुक्त (फ्लैक्सुरल) सामर्थ्य।

के गुणधर्मों में वृद्धि पायी गयी। प्राकृतिक एवं धूले हुए रीसाइकल्ड एग्रीगेट्स के गुणधर्मों में यह वृद्धि, एग्रीगेट्स की सतह पर चिपके हुए सीमेंट मसाले को हटा देने के कारण हुई।

कंक्रीट पेवर ब्लॉक्स का निर्माण

विभिन्न अनुसार में सीमेंट, बालू तथा प्राकृतिक एग्रीगेट्स का उपयोग करके (10μ IS छननी में से गुजरने वाले आकार के एग्रीगेट्स तथा 4.75μ IS छननी में ऊपर रहे आकार के एग्रीगेट्स), संहनन तकनीक द्वारा, एम-35 ग्रेड के और $200 \times 160 \times 75$ मिमी आकार के सीमेंट कंक्रीट पेवर ब्लॉक्स तैयार किये गये। प्राकृतिक एग्रीगेट्स को 0, 25, 50, 75 एवं 100% अनधूले व धूले रीसाइकल्ड एग्रीगेट्स से विस्थापित किया गया जिन्हें क्रमशः Mix A, B, C, D, E नाम दिया गया, $200 \times 160 \times 75$ मिमी आकार के पेवर ब्लॉक्स की ढलाई की गयी और 24 घंटे बाद इन्हें 28 दिनों के लिए पानी में डुबोया गया तथा



आकृति 5: कंक्रीट पेवर ब्लॉक।

इसके पश्चात IS:15658-2006 में वर्णित विधि के अनुसार इनके भौतिक गुणधर्मों का परीक्षण किया गया। परिणामों को आकृति 2-4 में दर्शाया गया है। कंक्रीट ब्लॉक्स के स्थायित्व व्यवहार पर अध्ययन प्रगति पर हैं।

यह देखा जा सकता है कि प्राकृतिक एग्रीगेट प्रतिस्थापित करने पर कंक्रीट ब्लॉक की संपीड़न सामर्थ्य और फ्लैक्सुरल सामर्थ्य में कमी आयी तथा रीसाइकल्ड एग्रीगेट की मात्रा में वृद्धि होने पर ब्लॉक के जल अवशोषण में वृद्धि हुई। इतना ही नहीं, अनधूले एग्रीगेट की तुलना में 100% धूले हुए रीसाइकल्ड एग्रीगेट से पेवर ब्लॉक की सामर्थ्य में महत्वपूर्ण अर्थात 20% तक वृद्धि देखी गयी और जल अवशोषण में 9% तक कमी आयी (Mix E)। कंक्रीट ब्लॉक के विशिष्ट फोटोग्राफ आकृति 5 में दिखाए गये हैं।

**प्रो. एस.के. भट्टाचार्य, ए.के. मिनोचा,
मृदुल गर्ग, जसविन्दर सिंह, नीरज जैन,
एस. मैती एवं एस.के. सिंह,
जीएपी 0072 (डीएसटी प्रोजेक्ट)**

वर्ष 2012-2013 के दौरान प्रकाशित अनुसंधान लेख

- अशोक कुमार, रजनी लखानी, एस. के. भट्टाचार्य एवं सपना धृष्टि, लो कोस्ट कंस्ट्रक्शन टैक्नोलॉजी फॉर कोल्ड क्लाइमेट : केस स्टडी ऑफ लददाख रीजन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस टैक्नोलॉजी एण्ड मेनेजमेंट, खण्ड 3, सर्करण 1 अप्रैल, 2012।
- अशोक कुमार, एवं वी. एम. सुमन, एक्सपैरीमेंटल इवेल्युएशन ऑफ इन्सुलेशन मैट्रीरियल्स फॉर वाल्स एण्ड रुफ्स एण्ड दियर इम्पेक्ट ऑन इन्डोर थर्मल कम्फर्ट अप्झर कंपोजिट क्लाइमेट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिल्डिंग एण्ड एचायरनमेंट, खण्ड 59, 635-643, 2013।
- ए. के. पाण्डेय, डिस्क्सन पेपर 108 / एम 48, फैक्टर्स

- अफैरिंग बोर्ड बिट्वीन नयू ओल्ड कंक्रीट, एसीआई मैटीरियल्स जर्नल, खण्ड 109(3), मई 2012।
- वी. एम. सुमन एवं वी. के. शर्मा, थर्मल विहेवियर ऑफ ईपीएस कंक्रीट, द इंडियन कंक्रीट जर्नल, खण्ड 86, सं. 6, 56-59, जून, 2012।
- वी. सिंह, एल. कुमार, एम. गुप्ता, एम. चौहान एवं जी. एस. चौहान, इफेक्ट ऑफ एक्विटेड क्रम्ब रबर ऑन द प्रोपर्टीज ऑफ क्रम्ब रबर मोडिफाइड विट्सन, जर्नल ऑफ एलाइड पॉलिमर साइंस, खण्ड 129, 2821-2831, पब्लिशर ऑन लाइन 2012, यूएसए. डीओआई: 10.1002 /ए.38991।

6. बी. सिंह, एल. कुमार, एम. गुप्ता एवं जी. एस. चौहान, पॉलिमर मोडिफाइड विटुमन ऑफ रीसाइक्लिंग एलटीपीई एण्ड मेलोटिड विटुमन, जर्नल ऑफ एलाइड पॉलिमर साइंस, खण्ड 127, 67–78, 2013 यूएसए. डीओआई: 10.1002 /एप. 36810 |
7. बी. एस. रावत, स्कोप ऑफ ग्रीन विलिंग्स पेस्टोलोजी, खण्ड 36(7), 25–28, जुलाई 2012 |
8. बी. एस. रावत, सर्च ॲफ स्टेटेल फिजिकल बैरियर फॉर्म टर्माइट मैनेजमेंट इन विलिंग्स, एन. एन्टोलोल, 30 (2), 1–8 अप्रैल 2012 |
9. बी. एस. रावत, इफेक्टिवनेस ॲफ फिप्रोनिल 2.5 इ. सी. फॉर्म टर्माइट मैनेजमेंट इन विलिंग्स, पेस्टोलोजी खण्ड 36(8), 19–24 जुलाई 2012 |
10. डी. पी. कानूनगो, ए. पेन एवं एस. शर्मा, फाइनाइट एलीमेंट मॉडलिंग एप्रोच टू एसेस द स्टेटिलिटी ॲफ डैबरिस एण्ड रॉक स्लोप्स – ए केस स्टडी फ्रॉम द इंडियन हिमालयाज, नेचुरल हैजार्ड्स, 2013, डीओआई: 10.1007 / 11069-013-0680-4 |
11. हरपाल सिंह, एडवांसेज इन हैलोजन ब्रेस्ट फायर रिटार्डेंट एडिटिव्स फॉर पॉलियूरिथेन कोम्प्स, पॉलियूरिथेन्स टुडे, खण्ड 6(2), 36–39, जून 2012 |
12. हरपाल सिंह, कैरेक्टराइजेशन ॲफ स्मोक एण्ड टोक्सिसिटी फ्रॉम बर्निंग पॉलियूरिथेन कोम्प्स, फायर इंजीनियर, खण्ड 37(2), 19–23, अप्रैल 2012 |
13. हरेंद्र कुमार, एम.पी. सिंह, एवं पी. के. यादव, ऑटीमल टास्क्स एसाइनमेंट फॉर मल्टीमल हेटरोजेनेस प्रोसेसर्स विद डायनिमिक री—एसाइनमेंट, इंटरनेशनल जर्नल ॲफ कंप्यूटर्स एण्ड टैक्नोलोजी, खण्ड 4, सं.2, 528–535, मार्च 2013 |
14. के. बी. लदाने, प्रदीप कुमार एवं वी. ए. सावंत, फील्ड इनवेस्टीगेशन्स ऑन जीएपी सिस्टम सबैक्वेट टू वैसिल फोर्म, एन्टायर रिसर्च खण्ड 4 (2), 1–4, अप्रैल 2012 |
15. एल.पी. सिंह, एस. के. भट्टाचार्य, पी. सिंह एवं एस. अहलावत, ग्रेनुलो मीटिरिक सिंथेसिस एण्ड कैरेक्टराइजेशन ॲफ डिस्पर्स्ड नैनो सिलिका पाउडर एण्ड इट्स एल्लीक्षन इन सीमेटीसियस सिस्टम, एडवांसेज इन एलाइड सिरमिक्स, खण्ड 111, स.4, 220–227, मई 2012 |
16. एल.पी. सिंह, एस. के. भट्टाचार्य, जी. मिश्रा एवं एस. अहलावत, रिडिक्शन ॲफ कैलिंग्यम लीचिंग इन सीमेट हाइड्रेशन प्रोसेस यूजिंग नैनो मैटीरियल्स, जर्नल ॲफ मैटीरियल्स टैक्नोलोजी, खण्ड 27, सं. 3, 233–238, जुलाई 2012 |
17. एल.पी. सिंह, एस. के. भट्टाचार्य एवं एस. अहलावत, प्रिपयरेशन ॲफ साइजकंट्रोल डिसिलिका नैनो पार्टिकल्स एण्ड इट्स फंक्शनल रॉल इन सीमेटीसियस सिस्टम, जर्नल ॲफ एडवांस्ड कंक्रीट टैक्नोलोजी, खण्ड 10, 345–352, 2012 |
18. मंजु मित्तल, डस्ट एक्सप्लोजन वॉयलेंस मीजरमेंट विद 20–एल, स्फेरिकल वैसल, कैमिकल प्रोडक्ट्स फाइडर, खण्ड 31 सं. 5, अक्टूबर 2012 |
19. मंजु मित्तल, इलैक्ट्रोस्टेटिक इग्निशन हैजार्ड्स इन इंडस्ट्रीज, कैमिकल इंजीनियरिंग वर्ल्ड, खण्ड 47, स. 11, 47–49, नवंबर, 2012 |
20. मंजु मित्तल, एक्सप्लोजन हैजार्ड्स इन मैज. स्टार्च प्लाट एण्ड सेफ्टी मीजर्स, कैमिकल इंजीनियरिंग वर्ल्ड, खण्ड 47, सं. 12, 74–78, दिसंबर 2012 |
21. मंजु मित्तल, ए.ए. अंसारी, राकेश कुमार एवं सुशील कुमार, सेफ्टी इन न्यूमैटिक ट्रांसपोर्ट ॲफ पाउडर, कैमिकल इंजीनियरिंग वर्ल्ड, खण्ड 47, सं. 4, 58–65, अप्रैल 2012 |
22. मोनिका चौहान, एम. गुप्ता, बी. सिंह, ए. के. सिंह एवं वी. के. गुप्ता, पाइन नीडल / आइसोसाइनेट कम्पोजिट्स—डायमेशनल स्टेटिलिटी, बायोलोजिकल रेजिस्ट्स, कलेमेबिलिटी एण्ड थर्मो-अकॉस्टिक कैरेक्टरिस्टिक्स, पॉलीमर कम्पोजिट्स, खण्ड 33(3), 324–335, 2012 यूएसए।
23. मोनिका चौहान, एम. गुप्ता, बी. सिंह, एस. के. भट्टाचार्य, ए. के. सिंह एवं वी. के. गुप्ता, प्री-ट्रीमेंट

ऑफ पाइन नीडल्स / त्रुड पार्टिकल्स एण्ड दियर कम्पोजिट्स विद आइसोसाइनेट प्रीपॉलीमर एडेसिव, पॉलीमर इंजीनियरिंग एण्ड साइंस, ऑन लाइन प्रकाशित – 22 दिसंबर, 2012 यूएसए, डीओआई: 10.1002 / पैन. 23436 |

24. मुदुल गर्ग एवं आकांक्षा पुण्डीर, कॉम्प्रीहैसिव स्टडी ॲफ फ्लाई एश बाइडर डेवलप्ड विद फ्लाई एश—एल्फा जिप्सम प्लास्टर—पोटलैंड सीमेंट, कस्ट्रक्शन्स एण्ड विलिंग्स मैटीरियल्स, खण्ड 37, 758–765, 2012 |

25. नीरज जैन, ए. के. मिनोचा एवं जी. सिंह, एयर डिस्पर्सन मॉडलिंग ॲफ ब्रिक किल्स सिटिंग काइटरेशन एण्ड गुड हाउसकीपिंग ब्रैकिटसिज फॉर ब्रिक इंडरस्ट्री इन उत्तर प्रदेश, इंडियन जे. एनवायरनमेंट प्रॉटैक्शन, खण्ड 32(4), 276–282, अप्रैल 2012 |

26. पी.के.एस. चौहान एवं यादवेंद्र पाण्डेय, फिजिबिलिटी ॲफ सीमिक्स एलर्ट सिस्टम इन इंडिया, एनझीडी यूनिवर्सिटी जर्नल ॲफ रिसर्च, कराची, थीमेटिक इश्यू ॲन अर्थव्येक्ष 2012, 35–40, अक्टूबर, 2012 |

27. पी. पाल एवं एस. के. भट्टाचार्य, स्लोश डायनामिक्स ॲफ लिकिड फिल्ड कंपोजिट कटेनर्स—ए टू डॉयामेंशनल मैश लैस लोकल पेट्रोव—गैलर्किन एप्रोच, जर्नल ॲफ फ्लूइड्स एण्ड स्ट्रक्चर्स, मार्च 2013 ऑनलाइन उपलब्ध, <http://dx.doi.org/10.1016/j.fluidstructs.2013.02.002>.

28. प्रतिमा ढोके, रवि भार्गव एवं सौरभ जैन, ए. कम्प्रेसेटिव एनालेसिस ॲफ द प्रोविंजंस ॲफ स्मोक क्रोल एस्ट्रेट्स एन बिलिंग्स ओफ नेशनल बिलिंग्स कोड ॲफ इंडिया विद अदर इंटरनेशनल बिलिंग्स कोड्स, इंटरनेशनल जर्नल ॲफ इंजीनियरिंग एण्ड साइटिफिक रिसर्च, खण्ड 4(2), फरवरी 2013, हाउसटन, टीएक्स, यूएसए।

29. रामकृष्ण दंडापत, अर्ध्य देव एवं एस. के. भट्टाचार्य, लोकलाइज्ड फेल्योर इन फाइबर रीइन्फोर्स्ड पॉलीमर रैख्ड सिलिंगरीकल कंक्रीट कॉलम्स, जर्नल ॲफ एस्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, खण्ड 109, संस्करण 4, जुलाई 2012 |

30. राजीव कुमार एवं वत्सल अग्रवाल, स्पीसीज कंस्ट्रैशन्स—टैम्परेशन एण्ड वैलोसिटीज इन फायर एल्मस, खण्ड 22(3)239–258, मार्च 2013 |

31. राजीव कुमार, आर.के. शर्मा, पी.के. यादव एवं ए.के. गुप्ता, यूज ॲफ फायर मॉडल्स इन पोस्ट फायर इन्वैस्टीगेशन्स—ए केस स्टडी, जर्नल ॲफ एलाइड फायर साइंस, खण्ड 22(3)259–277, मार्च 2013 |

32. सागर गुलाटी, पी.के. यादव एवं के. भाटिया, ए. रिलायबिलिटी मॉडल फॉर द टास्क शैड्यूलिंग इन डिस्ट्रीब्यूटिड सिस्टम्स बैर्स्ट ॲफ फैज्जी थियरी, सीआईआईटी इंटरनेशनल जर्नल ॲफ नेटवर्किंग एण्ड क्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, खण्ड (11), 684–688, अगस्त 2012 |

33. एस. के. सेनापति एवं जगतार सिंह, इथिकल कन्सर्न्स इन लाइब्रेरियनशिप—बेसिक इश्यूज, पर्ल—जर्नल ॲफ लायब्रेरी एण्ड इन्फोरमेशन साइंस, खण्ड 6, संख्या 2, 65–69 जून 2012 |

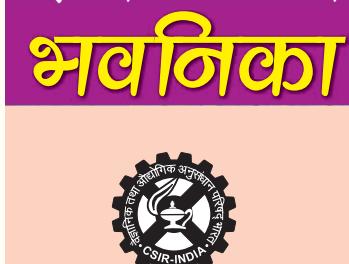
34. एस.के. सेनापति, एस. चक्रवर्ती एवं वी. के. मिश्रा, डैमेज आइडेंटिफिकेशन ॲफ मल्टी स्टोरी शीयर स्ट्रक्चर फ्रॉम स्पर्स मॉडल एन फैज्जोरमेशन, एएससीआई—जर्नल ॲफ कम्प्यूटिंग इन सिविल इंजीनियरिंग, खण्ड 27, संख्या 1, 1–9, जनवरी 2013 |

35. एस. के. अग्रवाल, विवेक सूद एवं एल. पी. सिंह, कैमिकली एपिटोवेटिड ब्लैंडिड सीमेंट्स एज स्टरेनेबल सीमेंट्स, एनवीएम एण्ड सी डब्ल्यू 196–201, नवम्बर 2012 |

36. एस. कनोडिया एवं पी. सी. थपलीयाल, ग्रीन सिंथेसिस ॲफ थियोफिनाइल—1,4—नैफ्थोविवनोन्स, जर्नल इंडियन कैमिकल सोसायटी, खण्ड 89(6), 833–836, 2012 |

37. एस. सरकार, डी. पी. कानूनोगो एवं एस. कृष्णराम, रॉक मास कलासिफिकेशन एण्ड स्टोपेस स्टेविलिटी अस्सैमेंट ॲफ रोड कट स्टोप्स इन गढवाल हिमालयाज, इंडिया जियोटैक्नीकल एण्ड जियोलोजिकल इंजीनियरिंग, खण्ड 30(4), 827–840, 2012 |

38. शुभम दस्तीदार, रवि चाहर, विवेकानंद बल, सत्येंद्र कुमार एवं सिद्धार्थ पांडा, फैब्रीकेशन ॲफ मैसो एण्ड नैनो स्ट्रक्चर्ड सिलिका सरफेसिज फॉर ट्यूनेबल डैमिटीज औफ रोड कट स्टोप्स इन गढवाल हिमालयाज, इंडिया जियोटैक्नीकल एण्ड इंजीनियरिंग आस्पेक्ट्स, खण्ड 412, 38–46, 2012 |



सीएसआईआर-सीबीआरआर
भवनिका



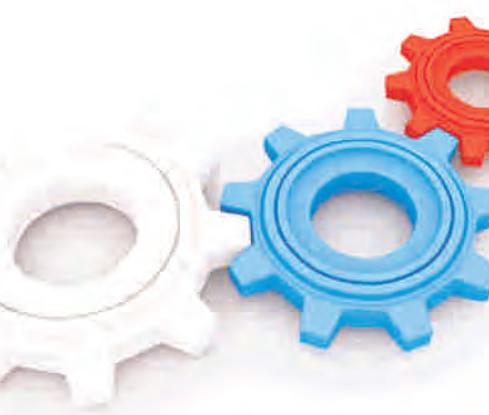
सीएसआईआर-सीबीआरआई भवनिका



सीएसआईआर-सीबीआरआई
भवनिका



पेज नं० //4//



39. विवेक सूद, एस. के. अग्रवाल एवं ए. द्विवेदी, कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ पोजोलैनिक एक्टिविटी ऑफ अल्ट्रा फाइन पोजोलाना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी रिसर्च एकेडमी, खण्ड 2, 512–524, अक्तूबर 2012।
40. विवेक सूद एवं एस. के. अग्रवाल, हाइड्रेशन बिहेवियर ऑफ फ्लाई एश/स्लैग बेर्स्ड कम्पोजिट सीमेंट,

सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाओं में प्रस्तुत लेख

1. अमित कुश, आमोद कृष्ण एवं पी. के. भार्गव, एनर्जी एफिशिएसी थू. आईसीटी एडोशन फॉर स्टेनेबल हैबीटाट, इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन बिल्डिंग्स पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 120–125।
2. ए. डी. जॉन, ए. के. रॉय एवं ए. गैरोला, विड लोड्स ऑन वाल्स ऑफ लो-राइज बिल्डिंग, विड इंजीनियरिंग (एनसीडब्ल्यूई), सीएसआईआर-सीबीआरआई, नई दिल्ली में दिसंबर 14–15, 2012 को आयोजित 6ठां राष्ट्रीय सम्मेलन।
3. ए. घोष, पी.के.एस. चौहान, एस. के. जैन, दलीप कुमार एवं जमीर अहमद, होलिस्टिक स्टडी ऑन साइट कैरेटराइजेशन फॉर हैबीटाट डबलपमेंट, नई दिल्ली में दिसंबर 13–15, 2012 को आयोजित इंडियन जियोटैक्नीकल कॉन्फ्रेंस, (आईजीसी 2012)।
4. अचल मित्तल, राजीव कुमार शर्मा, आई. ए. सिदिकी, दीपक धर्मशक्ति एवं पी. के. यादव, स्टेट ऑफ द आर्ट विड टनल फैसिलिटी-ए रियू फॉर अप्रेडेशन, वायु इंजीनियरिंग पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, नई दिल्ली में दिसंबर 14–15, 2012 में आयोजित 6ठां राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीडब्ल्यूई), खण्ड 2, पृष्ठ 525–539।
5. अजय चौरसिया, एस. के. सिंह एवं जलज पराशर, हैल्थ असेसमेंट ऑफ बिल्डिंग यूजिंग वाइब्रेशन कैरेटरिस्टिक्स, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग इंडिया, रुड़की द्वारा अक्तूबर 12–14, 2012 को आयोजित सिविल इंजीनियरिंग का 28 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्कास्ट्रक्चर्स फॉर स्टेनेबल डबलपमेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
6. अजय चौरसिया, एस. के. सिंह और एस. के. भट्टाचार्य, फेल्पर एनालेसिस ऑफ स्ट्रक्चर्स : केंस स्टडीज, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग इंडिया, रुड़की द्वारा अक्तूबर 12–14, 2012 को आयोजित सिविल इंजीनियरिंग का 28 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्कास्ट्रक्चर्स फॉर स्टेनेबल डबलपमेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
7. अजय चौरसिया, एस. के. सिंह एवं जलज पराशर, सीसिमिक शीहिलिटेशन ऑफ हैरिटेज स्ट्रक्चर्स, प्रोब्लम्स एण्ड प्रॉस्पैक्टस, भूकंप इंजीनियरी पर अक्तूबर 20–21, 2012 में आयोजित 15 वीं संगोष्ठी, आईएसईटी।
8. अजय चौरसिया, जलज पराशर, एस. के. भट्टाचार्य एवं एस. के. सिंह, नॉन डस्ट्रिक्ट टैस्ट फॉर मैसनरी स्ट्रक्चर्स, भूकंप इंजीनियरी पर 15 वीं संगोष्ठी, आईएसईटी, अक्तूबर 20–21, 2012।
9. अजय चौरसिया, वाई. पी. कजाले एवं जलज पराशर, प्रीफैब बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन फॉर स्टेनेबल डबलपमेंट, ट्रेंड्स एण्ड रिसेंट एडवांसेज इन सिविल इंजीनियरिंग (ट्रेंड्स – 2012), पर सितंबर 27, 2012, को एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
10. ए. के. रॉय एवं पी. के. भार्गव, सीएफडी मॉडलिंग ऑफ विड फलो अराउण्ड विडिंग फॉर विड एनर्जी कन्वर्जन, इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन बिल्डिंग्स (ईईसीबी – 2012), पर सीएसआईआर- सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 370–379।
11. ए.के. रॉय, नागेश बाबू एवं पी. के. भार्गव, एटमोस्फेरिक बाउड्री लेयर एयर फ्लो थू. सीएफडी सिमुलेशन ऑन पिरामिडल रुफ ऑफ स्क्वायर प्लॉन शेप बिल्डिंग्स, वायु इंजीनियरी पर दिसंबर 14–15, 2012 में सीएसआईआर- सीआरआरआई, नई दिल्ली में आयोजित 6ठां राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीडब्ल्यूई)।

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी रिसर्च एकेडमी, खण्ड 2, 195–212 अक्तूबर 2012।
- वी. के. गुप्ता, एल. पी. सिंह, आर. सिंह एवं एस. पी. कौर, ए नोवल कोपर (II)- पीवीसी मैम्ब्रेन पोटेंशियेमीट्रिक सेंसर बेर्स्ड ऑन डाइमिशाइल 4, 4(0-फिनाइलीन) बिस (3-थायोएलोफानेट), जर्नल ऑफ मॉलिंग्यूलर लिमिटेड, 174, 11–16, 2012।

- प्लानिंग एण्ड फैब्रिकेशन ऑफ मॉडल फॉर विड टनल स्टडी-ए टैक्नीकल एप्रोच, विड इंजीनियरिंग पर, सीएसआईआर-सीआरआरआई नई दिल्ली में, दिसंबर 14–15, 2012 में आयोजित 6ठां राष्ट्रीय सम्मेलन।
24. कौशिक पंडित, अजय चौरसिया एवं एस. के. भट्टाचार्य, पिलर डिजाइन प्रैक्टिसिंग इन कोल माइन्स, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, रुड़की द्वारा अक्टूबर 12–14, 2012 को आयोजित सिविल इंजीनियर्स का 28 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर्स फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
25. के. सी. पांडा, एस. के. भट्टाचार्य एवं एस. वी. बराई, एक्सपैरीमेंटल इन्स्टीगेशन ऑन शीयर स्ट्रैथनिंग ऑफ आर सी टी- बीम्स विद जीएफआरपी शीट इन शीयर जान, सस्टेनेबिलिटी चैलेंज एण्ड एडवांसेज इन कंक्रीट टैक्नालॉजी पर कायबद्दूर, तमिलनाडु में मई 2–4, 2012 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
26. के. सी. पांडा, एस. के. भट्टाचार्य एवं एस. वी. बराई, रेन एनालिसिस ऑफ आरसी टी- बीम साइड बोडेड इन शीयर विद जीएफआरपी शीट, रीहैबिलिटेशन एण्ड ईस्टोरेशन ऑफ स्ट्रक्चर्स (बीटीसीएम 2013) पर, भवन प्रौद्योगिकी एवं निर्माण प्रबंधन प्रभाग, सिविल इंजीनियरी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई द्वारा फरवरी 13–16, 2013 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।
27. के.सी. पांडा, एस. के. भट्टाचार्य एवं एस. वी. बराई, एफआरपी स्ट्रैथन्ड रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट बीम्स – ए ब्रीफ ओवरव्यू ऑन शीयर स्ट्रैथ ऑडल्स, इन्नोवेशन इन कंक्रीट कंस्ट्रक्शन पर, मार्च 5–8, 2013 में एनआईटी जालंधर में आयोजित यूकेआईआरआई कंक्रीट कांग्रेस।
28. एल.पी. सिंह, एस.के. भट्टाचार्य, यू. शर्मा, जी. मिश्रा एवं एस. अहलावत, रोल ऑफ सिलिका नैनोपार्टिकल्स ऑन अर्ली स्टेज रीएक्टीविटी ऑफ सीमेटीशियर्स सिस्टम, नवंबर 21–23, 2012 में देहरादून में आयोजित सातवीं उत्तराखण्ड स्टेट साइंस एण्ड टैक्नालॉजी कांग्रेस– 2012।
29. एल.पी. सिंह, एस.के. भट्टाचार्य एवं एस. अहलावत, कप्पेरिटिव मिनरलजिकल एण्ड मोफोलोजिकल आस्पैक्ट्स ऑफ सी-एस-एच यूजिंग सिलिका नैनो पार्टिकल्स, नैनोटैक्नालॉजी इन कंस्ट्रक्शन पर मई 20–22, 2012 में युनान में आयोजित चौथी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनआईसीओएम 4)।
30. एम. पी. सिंह, पी. के. यादव एवं ए. अग्रवाल, रस्पोंस टाइम ऑप्टीमाइजेशन ऑफ ग्रिड कम्प्यूटिंग सिस्टम यूजिंग जेनेटिक एप्रोच, रीसेंट एडवांसेज ऑन मैथेमेटिक्स एण्ड इट्स एस्पीकेशंस (आरएएम 2013) पर फरवरी 14–16, 2013 में डिपार्टमेंट ऑफ एलाइड मैथेमेटिक्स, ईंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
31. मृदुल गर्ग एवं आकाश्मा पुण्डीर, एनर्जी एफिशिएंट हाई स्ट्रैथ बाइडर फोम बाइ-प्रोडक्ट जिप्सम, नवंबर 21–23, 2012 में देहरादून में आयोजित सातवीं उत्तराखण्ड स्टेट साइंस एण्ड टैक्नालॉजी कांग्रेस– 2012।
32. मृदुल गर्ग, ए.के. मिनोचा, एस. भैती एवं ए. पुण्डीर, डवलपमेंट ऑफ एनर्जी एफिशिएंट एण्ड ईको-फैंडली कंस्ट्रक्शन मैटीरियल्स फोम जिप्सम सीमेंट, एडवांस ऐस्ट्रियल्स फॉर एनर्जी एफिशिएंट विल्डिंग्स पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में फरवरी 13–15, 2013 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 81।
33. मृदुल गर्ग, ए. के. मिनोचा, जे. सिंह, नीरज जैन, एस. मैती तथा ए. पुण्डीर, रीसाइकिलिंग एण्ड रीयूज़ ऑफ कंस्ट्रक्शन एण्ड डिमोलिशन वेट इन टाइल्स, एडवांस ऐस्ट्रियल्स फॉर एनर्जी एफिशिएंट विल्डिंग्स पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में फरवरी 13–15, 2013 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 74।
34. निखिल अग्रवाल, अचल मित्तल एवं वी. के. गुप्ता, कप्पेरिजन ऑफ स्टील क्वान्टिटी फॉर गैबल फ्रेम बर्स्ड ऑन विड फोर्सेज फॉम ए फ्यू. इंटरनेशनल विड कोड्स, विड इंजीनियरिंग पर, सीएसआईआर-सीआरआरआई नई दिल्ली में, दिसंबर 14–15, 2012 में आयोजित 6ठां राष्ट्रीय सम्मेलन, (एनसीडब्ल्यूई-2012) खण्ड 2।

35. निखिल अग्रवाल, अचल मित्तल एवं वी. के. गुप्ता, एलॉग विड इंटरफ़ेरेंस इफैक्ट्स ऑन टाल विल्डिंग, विड इंजीनियरिंग पर, सीएसआईआर-सीआरआरआई नई दिल्ली में, दिसंबर 14–15, 2012 में आयोजित 6ठां राष्ट्रीय सम्मेलन, खण्ड 1।
36. नागेश वी. बालम एवं पी. के. भार्गव, सोलर एनर्जीज़िज्ड लिविंग डीसिकेन्ट एयर कंडीशनिंग – ए रिव्यू. इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन विल्डिंग्स (ईईसीबी-2012), पर सीएसआईआर- सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
37. नरेंद्र कमार, एस. के. सैनी एवं समीर, पार्श्वियल रीप्लेसमेंट ऑफ हॉट एनर्जी बाइ सोलर एनर्जी इन द प्रोडक्शन ऑफ जिप्सम प्लास्टर, इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन विल्डिंग्स पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
38. ऑमना सुमन एवं बी. एम. सुमन, थर्मल इंसुलेशन मैटीरियल्स फॉर एनर्जी एफिशिएंट विल्डिंग, इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन विल्डिंग्स (ईईसीबी-2012), पर सीएसआईआर- सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
39. पी. सी. थपलीयाल एवं एस. आर. कराड़े, स्टडीज ऑन फिटिंग्स- मैक्निकल विल्डिंग्स एडवांस मैटीरियल्स फॉर एनर्जी एफिशिएंट विल्डिंग्स पर इण्डिया हैबीटाट सैटर, नई दिल्ली में फरवरी 13–15, 2013 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 52।
40. पी. सी. शर्मा, राजीव गोयल, एस. के. सिंह तथा सुरेज प्रकाश, कंस्ट्रक्शन ऑफ लार्ज शैख शेष्ड फैरो सोमेंट स्ट्रक्चर: ए केस स्टडी, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग इंडिया, रुड़की द्वारा अक्टूबर 12–14, 2012 में आयोजित सिविल इंजीनियर्स का 28 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर्स फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
41. पी. के. भार्गव, नागेश बाबू बालम एवं ए. के. रॉय, पैसिव डिजाइन फीबर्स फॉर एनर्जी कंजर्वेशन इन रेजीडेंसियल विल्डिंग्स, इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन विल्डिंग्स (ईईसीबी-2012), पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
42. पी.के. भार्गव, नागेश बाबू बालम एवं एच. के. जैन, क्लाइमेट चैंज असेसमेंट ड्यू ट्रिल्डिंग्स एण्ड कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज एण्ड इट्स इमैक्ट ऑन वाटर रिसार्सेज, रेस्पोंस ऑफ एशियन रिसर्च टु क्लाइमेट चैंज-पास्ट, प्रेजेंट एण्ड फ्यूचर सिनेरियो पर सीएसआईआर-एनर्जीआरआई, हैदराबाद द्वारा नवंबर 14–16, 2012 में आयोजित तीसरी वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
43. पी. के. भार्गव, नागेश बाबू बालम, स्टडीज ऑन विड वताइमेट इन इंडिया, विड इंजीनियरिंग पर, सीएसआईआर-सीआरआरआई नई दिल्ली में, दिसंबर 14–15, 2012 में आयोजित 6ठां राष्ट्रीय सम्मेलन।
44. पी. के. भार्गव, नागेश बाबू बालम, थर्मल कम्पर्ट लेवल यूजिंग फज्जी लोजिक, इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन विल्डिंग्स (ईईसीबी-2012), पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
45. रजनी लखानी, एस. पी. अग्रवाल एवं सपना घई, डवलपमेंट ऑफ एनर्जी एफिशिएंट मैटीरियल्स फ्रोम वर्मीक्यूलाइट, इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन विल्डिंग्स पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
46. राजीव कुमार, एवं विनोद कुमार, डवलपमेंट ऑफ इंटीग्रेट्ड सोलर फोटोवोल्टिक- थर्मल सिस्टम, इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन विल्डिंग्स पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।
47. आर. एस. थिमोटे, शशि एवं सुरेंद्र कुमार, लिविंग डाइज़ोर्कार्बन पूल फायर सप्रैसन: पार्ट 1: एक्सपैरीमेंट्स यूजिंग डायरेक्ट फोम इंजैक्शन (डीएफआई)– मैथडोलॉजी इन ए 5m² × 2m सिलिंडरिकल टैंक, सेफटी पर 12 अक्टूबर, 2013 को आईआईटी, गांधीनगर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।



सीएसआईआर-सीबीआरआई
भवनिका



संस्कृत विज्ञान
अनुसंधान अकादमी



सीएसआईआर-सीबीआरआई भवनिका



पेज नं० //6//

48. एस.के. सिंह, पोस्ट फायर इन्वैस्टीगेशन एण्ड रीहैबिलिटेशन ऑफ स्ट्रक्चर—ए केस स्टडी, इन्नोवेशन्स इन रिपेयर एण्ड रीहैबिलिटेशन ऑफ स्ट्रक्चर्स पर 17–18 दिसम्बर, 2012 में आई सी आई, गाजियाबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यगार्ही।
49. एस. के. सिंह एवं एस. के. भट्टाचार्य, हाइब्रिड फाइबर रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट – ए रिप्यू इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, रुडकी द्वारा अक्टूबर 12–14, 2012 को आयोजित सिविल इंजीनियर्स का 28वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ भट्टाचार्य, बिहेवियर ऑफ हाइब्रिड फाइबर रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट एक्सपोज़ टू फायर, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, रुडकी द्वारा अक्टूबर 2012 में आयोजित सिविल इंजीनियर्स का 28 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर्स फॉर सस्टेनेबल डबलपर्मेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
50. एस. के. सिंह, अजय चौरसिया, एम. एम. दलबेहरा एवं एस. के. भट्टाचार्य, हाइब्रिड फाइबर रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट – ए रिप्यू इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, रुडकी द्वारा अक्टूबर 12–14, 2012 को आयोजित सिविल इंजीनियर्स का 28वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर्स फॉर सस्टेनेबल डबलपर्मेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
51. एस. के. सिंह, एम. एम. दलबेहरा एवं एस. के. भट्टाचार्य, बिहेवियर ऑफ हाइब्रिड फाइबर रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट एक्सपोज़ टू फायर, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, रुडकी द्वारा अक्टूबर 2012 में आयोजित सिविल इंजीनियर्स का 28 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर्स फॉर सस्टेनेबल डबलपर्मेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
52. एस. के. पाणिग्रही, वी. पी. पो. कोमुला एवं सी. कैंटलोगेटसवे, ए मैथैमेटिकल मॉडल फॉर असेस्मेंट ऑफ फिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ फ्लाईरेश-सैंड-सीमेंट ब्रिक्स, मॉडलिंग एण्ड सिमुलेशन पर सितंबर 3–5, 2012 में, बोत्सवाना, अफ्रीका में आयोजित आईएस्ट अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।
53. एस. के. पाणिग्रही, नरेंद्र कुमार एवं समीर, अप्डग्राउण्ड हॉरिजॉन्टल ब्रिलिंग—ए ट्रैचलैस टैक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, रुडकी द्वारा अक्टूबर 2012 में आयोजित सिविल इंजीनियर्स का 28 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर्स फॉर सस्टेनेबल डबलपर्मेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
54. एस. के. अग्रवाल, विवेक सूद एवं अशोक कुमार, कम्पोजिट सीमेंट—ए स्टैप ट्वार्डस रिडक्शन इन ग्रीन हाऊस गैस एमिसन, ग्रीन ब्रिलिंग टैक्नोलॉजीज एण्ड मैटीरियल्स पर दिसंबर 27–28, 2012 में वृहान, चीन में आयोजित दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
55. एस. के. भट्टाचार्य, हैल्थ मॉनीटरिंग ऑफ बिलिंग्स सब्जैक्टेड टू विंड लोड्स, विंड इंजीनियरिंग पर दिसंबर 14715, 2012 में सीएसआईआर-सीआरआरआई में आयोजित छठा राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 79–84।
56. एस. के. भट्टाचार्य एवं अजय चौरसिया, एक्सपरियेंसेज ऑन 2011 : सिविकम पोस्ट अर्थव्यवक्त्र डैम्ज असेस्मेंट—स्ट्रेटेजीज फॉर रिस्क रिडक्शन, अक्टूबर 20–21, 2012 में रुडकी में आयोजित आईसैट गोल्डन जुबली सिम्पायियम।
57. एस. आर. कराडे, इन्वैस्टीगेशन ऑफ कंक्रीट स्ट्रक्चर्स इन थर्मल पॉवर प्लाटस: सम केस स्टडीज, इन्नोवेशन्स इन रिपेयर एण्ड रीहैबिलिटेशन ऑफ स्ट्रक्चर्स पर, दिसंबर 17–18, 2012 में आईसीआई गाजियाबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यगार्ही की कार्यवाही।
58. एस. आर. कराडे, कोरोजन कंट्रोल इन स्टील रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट स्ट्रक्चर्स फॉर सस्टेनेबिलिटी,

सीएसआईआर - सीबीआरआई में 44वें एसएसबीएमटी (इन्डोर) फाइनल्स का आयोजन

44वें शांति स्वरूप भट्टनागर स्मारक टूर्नामेंट (इन्डोर) फाइनल्स का उद्घाटन पदमश्री श्री जफर इक्बाल, भूतपूर्व भारतीय अंतर्राष्ट्रीय हॉकी क्षिलाड़ी द्वारा, 5 अप्रैल, 2013 को, सीएसआईआर – सीबीआरआई में किया गया। श्रोताओं को संबोधित करते हुए पदमश्री श्री जफर इक्बाल ने अपने अनुभव बांटे और एक खुशनुमा माहौल तैयार कर उद्घाटन के दौरान ही प्रतिभागियों में उत्साह भर दिया।

इस अवसर पर प्रो. एस.के. भट्टाचार्य, निदेशक,

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, रुडकी द्वारा अक्टूबर 2012 में आयोजित सिविल इंजीनियर्स का 28 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और रोल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर्स फॉर सस्टेनेबल डबलपर्मेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

59. एस. आर. कराडे एवं पी. सी. थपलियाल, एनर्जी एफिशिएंट कोरोजन कंट्रोल मीजर्स इन स्टील रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट स्ट्रक्चर्स, एडवांसड मैटीरियल्स फॉर एनर्जी एफिशिएंट बिलिंग्स पर फरवरी 13–15, 2013 में इंडिया हैबीटाट सेटर, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
60. एस.पी. अग्रवाल, बी. एम. सुमन एवं रजनी लखानी, कम्पैरेटिव स्टडीज ऑन टू डिफ्रेंट मैथड्स ऑफ थर्मल कंडक्टिविटी मीजर्सेंट्स, इमर्जिंग ट्रैंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन बिलिंग्स, पर सीएसआईआर – सीबीआरआई रुडकी में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
61. एस.पी. अग्रवाल एवं बी. एम. सुमन, वैल्यू एडेंड आर एण्ड डी इंसुलेटिंग मैटीरियल्स फॉर वेस्ट, इमर्जिंग ट्रैंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन बिलिंग्स, पर सीएसआईआर – सीबीआरआई रुडकी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।
62. सोमित्र मैती, मृदुल गर्ग, आकांक्षा पुण्डीर एवं ए. के. मिनोचा, फल्लू गैस डीसल्फराइजेशन जिप्सम फॉर प्रोडक्शन ऑफ बिलिंगंग कम्पोनेंट्स, एडवांसड मैटीरियल्स फॉर एनर्जी एफिशिएंट बिलिंग्स, पर फरवरी 13–15, 2013 में सीएसआईआर – सीबीआरआई रुडकी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 83।
63. श्रीनिवासराव नाइक बी., एल. पी. सिंह, पी. सी. थपलियाल एवं अशोक कुमार, स्टडीज ऑन फैजे चेंज मैटीरियल्स फॉर एनर्जी एफिशिएंट बिलिंग्स, एडवांसड मैटीरियल्स फॉर एनर्जी एफिशिएंट बिलिंग्स, पर फरवरी 13–15, 2013 में सीएसआईआर – सीबीआरआई रुडकी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 30–32।
64. सिद्धार्थ बेहरा एवं अचल मित्तल, ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ विंड फोर्सेज ऑफ टॉल बिलिंगंग एण्ड टॉवर्स एज पर IS 875-Part – III (1987) एण्ड ड्राफ्ट कोड (2011) यूजिंग गैर्स्ट फैक्टर मैथड, विंड इंजीनियरिंग पर दिसंबर 14–15, 2012 में सीएसआईआर – सीबीआरआई में आयोजित छठा राष्ट्रीय सम्मेलन, खण्ड 2।
65. सुवीर सिंह, फायर सेफ्टी इन हाई राइज बिलिंग्स, डिजास्टर मैनेजमेंट पर नवंबर 2012 में आरजीईसी मेरठ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।
66. शिव लाल, एस. सी. कौशिक एवं पी. के. भार्गव, ए स्टडी ऑन स्ट्रेक वैटीलेशन सिस्टम एण्ड इंटीग्रेटिड एप्रोचेज, इमर्जिंग ट्रैंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन बिलिंग्स, पर सीएसआईआर – सीबीआरआई, रुडकी में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
67. विवेक सूद, अशोक कुमार एवं एस. के. अग्रवाल, इमैटी एंटरप्रार्स, सामैटीरियल्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन बिलिंग्स, पर सीएसआईआर – सीबीआरआई रुडकी में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 88–95।
68. वाई. पी. कजाले, जे. पराशर एवं अजय चौरसिया, एनर्जी एफिशिएंट बिलिंगंग टैक्नोलॉजीज: एन एप्रोच द्वार्डस सस्टेनेबल डबलपर्मेंट, इमर्जिंग ट्रैंड्स ऑफ एनर्जी कंजर्वेशन इन बिलिंग्स, पर सीएसआईआर – सीबीआरआई, रुडकी में नवंबर 1–3, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

सीएसआईआर – सीबीआरआई, डा. ए.के. मिनोचा, उपाध्यक्ष सीएसआईआर – सीबीआरआई स्टाफ क्लब, डा. सुवीर सिंह, आयोजन सचिव, डा. एम. मोहन राव, सदस्य सीएसआईआर स्पोर्ट्स प्रोमोशन बोर्ड उपस्थित थे।

तीन दिन के टूर्नामेंट के दौरान पांच इन्डोर गेम – बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, ब्रिज तथा शतरंज खेले गये जिनमें सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के लगभग 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया। टूर्नामेंट के दौरान प्रतिभागियों ने टीम वर्क, प्रतिस्पर्धात्मकता, नेतृत्व तथा



विषम परिस्थितियों में आगे बढ़ने की भावना का प्रदर्शन किया। बैडमिंटन, कैरम तथा टेबल टेनिस के लिए टीम प्रतिस्पर्धा (इवैट) तथा एकल प्रतिस्पर्धा आयोजित की गयी। ब्रिज में पुरुषों के लिए टीम प्रतिस्पर्धा तथा शतरंज में पुरुषों के लिए एकल प्रतिस्पर्धा आयोजित की गयी। इस टूर्नामेंट के परिणाम, 7 अप्रैल, 2013 को आयोजित समापन समारोह में घोषित किये गये।

समारोह की मुख्य अतिथि प्रो. वाणी ब्रह्मचारी ने अपने संबोधन में इस टूर्नामेंट के आयोजन में किये गये प्रयासों की सराहना की तथा विजेताओं को अपने कर कमलों से पुरस्कार वितरित किए।

समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी, महानिदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने उपस्थित समुदाय को संबोधित किया जो कि भावोत्तेजक, ज्ञानवर्द्धक, प्रेरणादायक तथा दिशा सूचक रहा।

प्रो. एस.के. भट्टाचार्य, निदेशक ने स्वागत भाषण

दिया। प्रो. आर.सी. बुदानी, निदेशक, सी एस आई आर-एनपीएल, नई दिल्ली तथा अध्यक्ष, स्पोर्ट्स प्रोमोशन बोर्ड ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। डा. ए.के. मिनोचा ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। डा. सुवीर सिंह ने सभी खेल स्पर्धाओं का संक्षिप्त व्यौरा प्रस्तुत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस समारोह के दौरान डा. एम. ओ. गर्ग, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईपी देहरादून, श्री डी.एस. बेदी, सचिव, स्पोर्ट्स प्रोमोशन बोर्ड, प्रतिष्ठित अतिथिगण, विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के प्रतिभागी, सीएसआईआर-सीबीआरआई परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

समापन समारोह से पूर्व प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी, महानिदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुडकी की प्रयोगशालाओं का दौरा किया तथा संस्थान के मुख्य द्वार एवं कई प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुडकी में 10 मई 2013 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। प्रो. एस.पी. गुप्ता, उपनिदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुडकी ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा संस्थान के वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ को विज्ञान के सिद्धांतों एवं प्रायोगिक अनुप्रयोगों में रुचि लेने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि हमारे देश का भविष्य और उज्ज्वल हो सके। उन्होंने आगे इस पर बल दिया कि विज्ञान का दोहन मानवता के लाभ के लिए किया जाना चाहिए जिससे आम आदमी के स्वास्थ्य, आय और जीवन स्तर में सुधार हो सके।

प्रो. एस.के. भट्टाचार्य, निदेशक, सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रौद्योगिकी दिवस की महत्ता के विषय में जन समूह को बताया। उन्होंने बताया कि पोखरण में क्रमबद्ध नियंत्रित परीक्षणों द्वारा नाभिकीय शस्त्र प्रौद्योगिकी में महारात हासिल करने (पोखरण ।।), स्वदेशी विकसित त्रिशुल मिसाइल की टैस्ट फायरिंग तथा स्वदेशी विकसित एयरक्राफ्ट हंसा-3 की टैस्ट फलाइट जैसे प्रौद्योगिकी ब्रेक थू की याद में प्रत्येक वर्ष 11 मई को, देश भर में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय प्रौद्योगिकी की इन

उपलब्धियों को स्वदेशी विकसित त्रिशुल, अग्नि एवं पृथ्वी मिसाइलों की टैस्ट फायरिंग से और बल मिला।

इस दिन को, जिसने भारतीय वैज्ञानिकों के तकनीकी कौशल को सिद्ध किया है, युवा मस्तिष्क को ऊँचे लक्ष्य प्राप्त करने और नवीन ज्ञान की ओर प्रेरित करने हेतु, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का नाम दिया गया है। उन्होंने सीएसआईआर की अनुसंधान एवं विकास उपलब्धियों तथा जन समूहों की आर्थिकी, स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर के सुधार में इनके योगदान पर भी, प्रकाश डाला। अग्नि शमन (फायर एक्सटिंगशेमेंट) पर एक प्रौद्योगिकी मैसर्स आस्का इक्विपमेंट्स लि. नई दिल्ली को हस्तांतरित की गयी। श्री राजीव राधव, मुख्य विपणन अधिकारी ने एक तकनीकी व्याख्यान भी प्रस्तुत किया। डा. सुवीर सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने, जिन्हें डायमण्ड जुबली टैनोलोजी अवार्ड भी प्रदान किया गया, केबल पैनीट्रेशन सील सिस्टम (केबल फायर स्टोप) पर एक तकनीकी व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री आर. एस. चिमौटे, मुख्य वैज्ञानिक ने अग्नि शमन तकनीकों पर जीवंत निर्दर्शन (लाइव डैमोस्ट्रेशन) प्रस्तुत किया। डा. अचल मित्तल, प्रधान वैज्ञानिक ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया और धन्यवाद ज्ञापन किया।

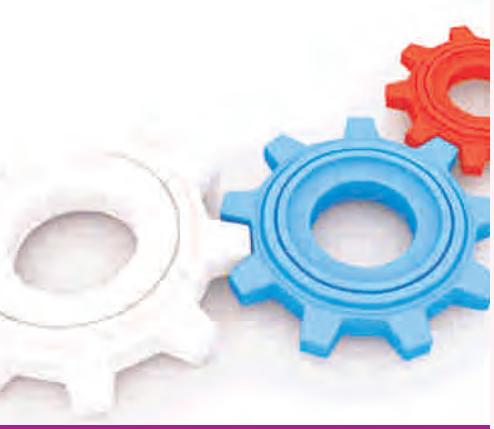
विश्व पर्यावरण दिवस

हमारी जैव विविधता को संरक्षित करने की महत्ता एवं पर्यावरण संबंधी समस्याओं को पहचानने की आवश्यकता तथा इस संदर्भ में सुधारात्मक उपाय



सीएसआईआर-सीबीआरआई भवनिका





सीएसआईआर-सीबीआरआई भवनिका



2013 मनाया गया। इस वर्ष मनाए गये विश्व पर्यावरण दिवस की थीम थिंक, ईट, सेव रखी गयी है। थिंक, ईट, सेव एक भोजन (खाद्य) दुरुपयोग विरोधी मुहिम है जोकि हमें फूड प्रिंट को कम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार प्रति वर्ष 1.3 बिलियन टन खाद्य बेकार चला जाता है। दूसरी तरफ हर 7 व्यक्तियों में से 1 व्यक्ति भूखा सोता है तथा 5 वर्ष से कम आयु के 20000 बच्चे प्रतिदिन भूख से मर जाते हैं। जीवन शैली में इस घोर असमानता और पर्यावरण पर इसके विनाशकारी प्रभावों को देखते हुए, इस वर्ष की थीम हमें, हमारे खाद्य चयन से होने वाले पर्यावरणीय प्रभावों के प्रति जागरूक करती है और विवेकपूर्ण निर्णय लेने के लिए हमें आत्मबल प्रदान करती है।

प्रकृति के साथ समंजस्य पूर्ण जीवन के प्रतीक के रूप में, इस अवसर पर डा. नीलिमा जेरथ, कार्यकारी निदेशक, पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, चण्डीगढ़ एवं डा. एस. के. भट्टाचार्य, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई तथा प्रो. बी. आर. गुर्जर, अध्यक्ष इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), रुड़की लोकल सेंटर ने सीएसआईआर-सीबीआरआई कैम्पस में वृक्षारोपण किया।

मुख्य अतिथि के रूप में डा. नीलिमा जेरथ, कार्यकारी निदेशक, पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, चण्डीगढ़ ने अपने संभाषण में, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के बीच उपरिथिति पर हर्ष प्रकट

करते हुए कहा कि प्रत्येक मानव को अपने तरीके से पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने सीएसआईआर-सीबीआरआई द्वारा पर्यावरणीय मुद्राओं पर गंभीरतापूर्वक उठाए गये कदमों की सराहना की तथा यह प्रस्ताव रखा कि सीबीआरआई तथा पीएससीएसटी मिलकर उत्तराखण्ड की पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर संयुक्त परियोजना आरंभ कर सकते हैं।

प्रो. एस. के. भट्टाचार्य, निदेशक ने उल्लेख किया कि सीएसआईआर-सीबीआरआई पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का विकास करने एवं पर्यावरण को संरक्षित करने वाले अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र की जैव विविधता के संरक्षण का कार्य करने संबंधी गतिविधियों को जारी रखेगा। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित महानुभावों द्वारा सीबीआरआई के प्रकाशनों जैसे भवनिका एवं न्यूज़लैटर का विमोचन किया गया।

प्रो. बी. आर. गुर्जर, अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), रुड़की लोकल सेंटर ने उपस्थित श्रोतागण का विश्व पर्यावरण दिवस के विषय में बताया। डा. ए.के. मिनोचा, मुख्य वैज्ञानिक ने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन एक वार्षिक गतिविधि है और इसका लक्ष्य है कि इस दिन को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम के रूप में सबसे बड़े और व्यापक ग्लोबल डे के रूप में आयोजित किया जाए। डा. शिशिर सिन्हा, मानद सचिव, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), रुड़की लोकल सेंटर द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्मिक समाचार

पदोन्नति

डा. बी. सिंह	मुख्य वैज्ञानिक	04.01.2012
श्री आर.एस. चिमौटे	मुख्य वैज्ञानिक	01.01.2013
श्री नरेंद्र कुमार	प्र. तक. अधिकारी	24.05.2011
डा. बी. एम. सुमन	प्र. तक. अधिकारी	05.10.2011
श्री राजेश कुमार	प्र. तक. अधिकारी	11.11.2011
श्री अजय द्विवेदी	तक. अधिकारी	21.07.2010
श्रीमती गायत्री देवी	तक. अधिकारी	08.09.2010
श्री समीर	तक. अधिकारी	01.06.2011
श्री अनिल कु. शर्मा	व. तकनीशियन 2	18.06.2011
श्री राजीव बंसल	व. तकनीशियन 1	24.09.2011
श्री शिव प्रकाश त्यागी	व. तकनीशियन 1	24.09.2011
श्री बी. एस. बिष्ट	व. तकनीशियन 1	24.09.2011
श्री प्रदीप कपूरिया	व. तकनीशियन 1	17.10.2011
श्री अरविंद सेनी	व. तकनीशियन 1	29.10.2011
श्री अशवनी कु. मिश्रा	व. तकनीशियन 1	29.12.2011
श्री हरीश कुमार	व. तकनीशियन 1	29.12.2011
श्री सुखबीर शर्मा	व. तकनीशियन 1	29.12.2011
श्री डी.के. चौपड़ा (से.)	व. तकनीशियन 1	24.09.2011

बहुत — बहुत बधाई!

सेवानिवृत्ति

श्री जयपाल सिंह	तकनीशियन	31.05.2013
डा. पी. के. भार्गव	मुख्य वैज्ञानिक	31.05.2013
श्री एस. के. जैन	प्रधान वैज्ञानिक	30.06.2013
श्री सीता राम	तकनीशियन	30.06.2013
श्री एस. के. गुप्ता	अधि. अभियन्ता	30.06.2013

शांतिमय एवं सुखद जीवन की कामना!

स्थानांतरण

श्री आर. के. मांझीवाल ने सीएसआईआर मुख्यालय दिल्ली से स्थानांतरित होकर 18.4.2013 को सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की में वित्त एवं लेखा अधिकारी का पदभार ग्रहण किया।

श्री पराग सक्सेना ने सीएसआईआर-इमटैक, चण्डीगढ़ से स्थानांतरित होकर 03.06.2013 को सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की में प्रशासनिक अधिकारी का पदभार ग्रहण किया।

श्री अमर जीत, अनुभाग अधिकारी सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की से सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर को 31.05.2013 को स्थानांतरित एवं कार्यमुक्त।

डा. अतुल कुमार अग्रवाल, सम्पादक

वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

सहयोग

हिन्दी अनुवाद एवं टंकण- श्री सूबा सिंह



विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र:



निदेशक

सीएसआईआर- केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान
रुड़की- 247 667 (उत्तराखण्ड) भारत

फ़ोन: 01332-272243; फैक्स: 01332-272543, 272272

ई-मेल: director@cbrimail.com; वेबसाइट: www.cbri.res.in

पेज नं० //8// सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की- 247 667 (उत्तराखण्ड)

